

29/9/25 पत्रावली पेश हुई। प्रामाणिक रूप से आज कार्य स्यामित  
रखा गया। न्यायिक अधिकारी परादय अवकाश पर।  
भरण पर। अन्य प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त है।  
पत्रावली दिनांक ...03.10.25...को पेश हो।

13/10/25

कमील कारी उपस्थित। कमील प्रतिवादीगण  
अनुपस्थित थे। प्रतिवादीगण की उपस्थिति  
है। इसका प्रमाण वर पत्रावली दिनांक  
08/10/25 की पेश की है।

08/10/25

पत्रावली पेश हुई। कारीगण की ओर से कथित  
श्री नवीन कुमार सिंह ने पत्रावलीगणों पेश  
किंग। कमील प्रतिवादीगण अनुपस्थित।  
कारीगण की ओर से प्रमाण बाका-वास  
पुनः प्रस्ताव करने के अधिकार की सुरक्षा  
रखते हुए वर विज्ञा की अनुमति नहीं जान  
का प्रस्ताव हुआ। कारीगण की प्रत्येक  
पर कारीगण को वर-यत्र विज्ञा करने की  
अनुमति ही जाती है वर यह कारीगण विज्ञा  
आधार पर इसी स्तर पर खारिज किंग।  
जाता है प्रकृत में प्रतिवादीगण की ओर  
से कांस्टेबल ब्लेक पेश किंग गला है।  
कमील प्रतिवादीगण को आवार्ज लंगार्ज  
गरी उपस्थित नहीं है। स्वयं प्रतिवादीगण  
की अनुपस्थिति है। कता कांस्टेबल ब्लेक  
प्रतिवादीगण कता पेश किंग हाक धरती  
के आधार पर इसी स्तर पर खारिज किंग।  
जाता है पत्रावली दिनांक में प्रमाण  
होने का मालूम होता है।

कांशिया  
मौजू

द्वारा  
पुस्तकान्त  
वागिगा  
व नरेज सिंह  
वि-उपाल सिंह  
ज-सिधु सिंह  
4550 (कुशीया)  
तह 5042  
आ.नं. 99786/162454

Signature

उपखण्ड अधिकारी  
श्री विजयनगर